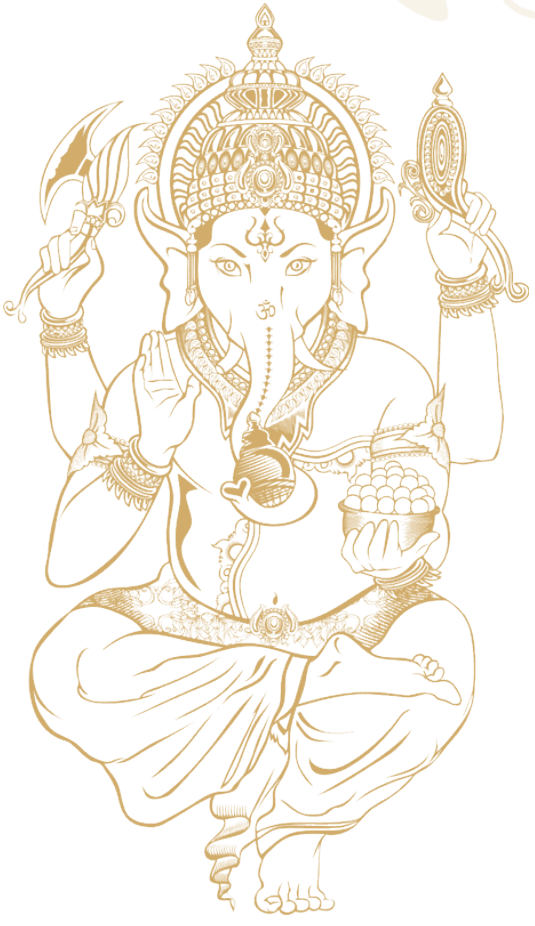

Mr.Ramagya

22 Jul 1960

04:00 AM

Shahganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 119059003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/07/1960**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:41:05 घटी
स्थान	**Shahganj**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:03:00 उत्तर
रेखांश	82:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:00:44 घंटे
वेलान्तर	-00:06:18 घंटे
साम्पातिक काल	23:59:28 घंटे
सूर्योदय	05:19:34 घंटे
सूर्यास्त	18:51:23 घंटे
दिनमान	13:31:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:48:51 कर्क
लग्न के अंश	17:34:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ङ--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:34:54	319:05:22	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			कर्क	05:48:51	00:57:18	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	15:45:33	11:51:27	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			मेष	29:05:38	00:41:10	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	स्वराशि
बुध	व	अ	मिथु	28:10:45	00:29:14	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु	व		धनु	01:48:31	00:05:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मूलत्रिकोण
शुक्र			कर्क	13:53:27	01:13:52	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	20:45:36	00:04:11	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु	व		सिंह	23:12:13	00:09:04	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	23:12:13	00:09:04	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	26:40:49	00:03:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
नेप			तुला	13:03:47	00:00:07	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो			सिंह	11:20:43	00:01:43	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
दशम भाव			मीन	06:32:50	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:19

लग्न-चलित

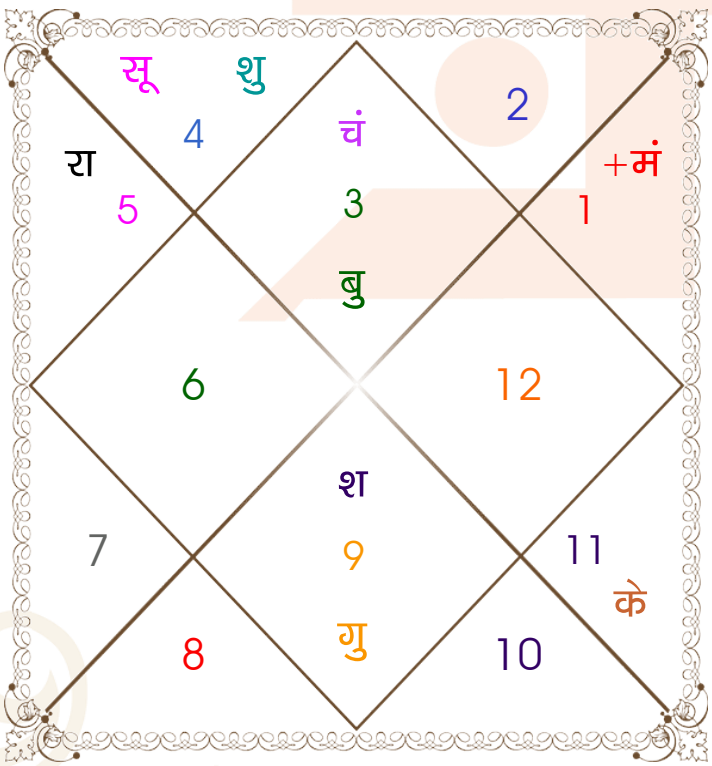

चन्द्र कुंडली

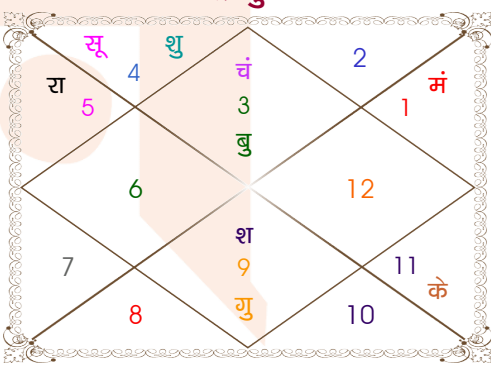

नवमांश कुंडली

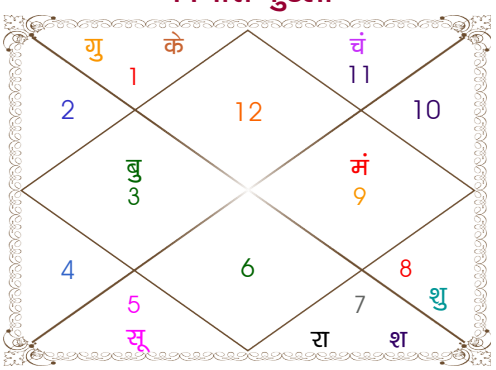

Bhartiya Jyotish Kendra
Bilwai Sultanpur
+919453422253
jyotishi. 1960@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 5 वर्ष 8 मास 21 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
22/07/1960		13/04/1966		13/04/1982		12/04/2001		13/04/2018	
13/04/1966		13/04/1982		12/04/2001		13/04/2018		12/04/2025	
	00/00/0000	गुरु	31/05/1968	शनि	15/04/1985	बुध	09/09/2003	केतु	09/09/2018
	00/00/0000	शनि	12/12/1970	बुध	25/12/1987	केतु	05/09/2004	शुक्र	09/11/2019
	00/00/0000	बुध	19/03/1973	केतु	01/02/1989	शुक्र	07/07/2007	सूर्य	16/03/2020
	00/00/0000	केतु	23/02/1974	शुक्र	03/04/1992	सूर्य	13/05/2008	चंद्र	15/10/2020
	22/07/1960	शुक्र	24/10/1976	सूर्य	16/03/1993	चंद्र	12/10/2009	मंगल	13/03/2021
शुक्र	31/10/1962	सूर्य	12/08/1977	चंद्र	15/10/1994	मंगल	09/10/2010	राहु	01/04/2022
सूर्य	24/09/1963	चंद्र	12/12/1978	मंगल	24/11/1995	राहु	28/04/2013	गुरु	07/03/2023
चंद्र	25/03/1965	मंगल	18/11/1979	राहु	30/09/1998	गुरु	04/08/2015	शनि	15/04/2024
मंगल	13/04/1966	राहु	13/04/1982	गुरु	12/04/2001	शनि	13/04/2018	बुध	12/04/2025

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
12/04/2025		12/04/2045		13/04/2051		12/04/2061		12/04/2068	
12/04/2045		13/04/2051		12/04/2061		12/04/2068		00/00/0000	
शुक्र	12/08/2028	सूर्य	31/07/2045	चंद्र	11/02/2052	मंगल	09/09/2061	राहु	24/12/2070
सूर्य	12/08/2029	चंद्र	30/01/2046	मंगल	11/09/2052	राहु	27/09/2062	गुरु	19/05/2073
चंद्र	13/04/2031	मंगल	06/06/2046	राहु	13/03/2054	गुरु	03/09/2063	शनि	25/03/2076
मंगल	12/06/2032	राहु	01/05/2047	गुरु	13/07/2055	शनि	12/10/2064	बुध	12/10/2078
राहु	13/06/2035	गुरु	17/02/2048	शनि	11/02/2057	बुध	09/10/2065	केतु	31/10/2079
गुरु	11/02/2038	शनि	29/01/2049	बुध	13/07/2058	केतु	07/03/2066	शुक्र	22/07/2080
शनि	12/04/2041	बुध	06/12/2049	केतु	11/02/2059	शुक्र	07/05/2067		00/00/0000
बुध	11/02/2044	केतु	13/04/2050	शुक्र	12/10/2060	सूर्य	12/09/2067		00/00/0000
केतु	12/04/2045	शुक्र	13/04/2051	सूर्य	12/04/2061	चंद्र	12/04/2068		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 5 वर्ष 8 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।